Final

INTERMEDIATE EXAMINATION – 2019 (ANNUAL)

Model Set

BHOJPURI (भोजपुरी)

I.Sc. & I.Com. – LL-BHOJPURI (OPT)

समय : 03 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 100

Time : 03 Hrs. 15 Minutes] | **Full Marks : 100**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

Instructions for the candidates :-

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. उत्तर देते समय परीक्षार्थी लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा का ध्यान अवश्य रखें।
4. इस पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में विभक्त है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

   (प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है, इनका उत्तर उपलब्ध कराये गये OMR–शीट में दिये गये सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का प्रयोग उत्तर–पुस्तिका में न करें, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।)

7. खण्ड–ब में कुल 07 विषयनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।

8. किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 50 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनके साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR–शीट में दिये गये सही वृत को काले/नीले बॉल पेन से भरें।

नीचे दिहल प्रश्नन में से सही उत्तर चुनऽ – **50x1=50**

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी कवना पत्रिका के संपादक रहीं?

   क. माधुरी   ख. सरस्वती   ग. साहित्य   घ. नई धारा

2. कबीरदास कवना काल के कवि रहीं?

   क. आदिकाल   ख. भक्तिकाल

   ग. रीतिकाल   घ. आधुनिक काल

3. कबीरदास भोजपुरी के का हईं?

   क. आदि संत   ख. आदि विचारक

   ग. आदि कवि   घ. आदि समाज सुधारक

4. कबीरदास के जनम कहवाँ भइल रहे ?

   क. बनारस   ख. आरा   ग. गोरखपुर   घ. आजमगढ़

5. राहुल सांकृत्यायन के जनम कहवाँ भइल रहे?

   क. बनारस   ख. आरा   ग. गोरखपुर   घ. आजमगढ़

6. रामेश्वर सिंह काश्यप के जनम कहवाँ भइल रहे?

   क. बनारस   ख. आजमगढ़   ग. रोहतास   घ. गोरखपुर

7. 'मछरी' कवना विद्या के रचना ह?

क. कविता | ख. कहानी
ग. एकांकी | घ. शब्द–चित्र

8. 'मछरी' में कवन समस्या उठाबल गइल बा?

क. नारी समस्या | ख. धार्मिक–समस्या
ग. वैज्ञानिक समस्या | घ. कवनो ना

9. संत भिनक राम कवना संप्रदाय के संस्थापक रहीं?

क. लक्ष्मी संप्रदाय | ख. सखी–संप्रदाय
ग. सरभंग संप्रदाय | घ. तीनों

10. काशी प्रसाद जायसवाल कवना विषय के विद्वान रहीं?

क. प्राच्य विद्या | ख. हिन्दी साहित्य
ग. भूगोल | घ. इतिहास

11. 'फिरंगिया' कविता में बरनन बाटे –

क. नारी–विमर्श | ख. दलित–चेतना
ग. देश–भगति | घ. किसान–चेतना

12. 'बिदेसिया' के जनक बानीं –

क. महेन्द्र शास्त्री | ख. महेन्द्र मिसिर
ग. भिखारी ठाकुर | घ. सत्येन्द्र सुमन

13. पूरबी गीत के शिखर पर ले गइनीं–

क. महेन्द्र शास्त्री | ख. महेन्द्र मिसिर
ग. भिखारी ठाकुर | घ. सत्येन्द्र सुमन

14. महाराणा प्रताप के जनम कहवाँ भइल रहे?

क. बंगलादेश　　　　ख. इंगलैंड

ग. भारत　　　　घ. चीन

15. 'उत्थान' कवना विधा के रचना ह?

क. कहानी　　ख. कविता　　ग. नाटक　　घ. उपन्यास

16. 'मानिक मोर हेरइले' कवना विधा के रचना ह?

क. कहानी　　ख. कविता　　ग. ललित निबंध　　घ. जीवनी

17. 'भोर हो गइल' कविता के कवि बानीं –

क. सूर्यदेव पाठक　　　　ख. पांडेय कपिल

ग. परमेश्वर दूबे　　　　घ. केहू ना

18. 'भोर हो गइल' में कवना समय के वर्णन बा?

क. रात　　ख. दोपहर　　ग. भिनुसहारा　　घ. साँझ

19. भारत के धन अंग्रेज कहवाँ ले गइलन सन?

क. फ्रांस　　ख. जापान　　ग. इंगलैंड　　घ. चीन

20. डॉ0 ग्रियर्सन कवना देश के रहन?

क. भारत　　ख. फ्रांस　　ग. जापान　　घ. इंगलैंड

21. संज्ञा के भेद होखेला –

क. चार　　ख. पाँच　　ग. तीन　　घ. दू

22. सर्वनाम के भेद होखेला –

क. चार　　ख. पाँच　　ग. तीन　　घ. दू

23. विशेषण के भेद होखेला –

क. चार   ख. पाँच   ग. तीन   घ. दू

24. क्रिया के भेद होखेला –

क. चार   ख. पाँच   ग. तीन   घ. दू

25. वचन के भेद होखेला –

क. चार   ख. पाँच   ग. तीन   घ. दू

26. लिंग के भेद होखेला –

क. चार   ख. पाँच   ग. तीन   घ. दू

27. काल के भेद होखेला –

क. चार   ख. पाँच   ग. तीन   घ. दू

28. 'सुमन जा रहली ह' कइसन वाक्य ह?

क. सरल   ख. मिश्र   ग. संयुक्त   घ. तीनू

29. 'दाल–भात' में समास ह–

क. तत्पुरूष   ख. नञ   ग. द्वन्द्व   घ. द्विगु

30. 'चौराहा' में समास ह–

क. तत्पुरूष   ख. नञ   ग. द्वन्द्व   घ. द्विगु

31. 'पीताम्बर' में समास ह–

क. तत्पुरूष   ख. बहुब्रीहि   ग. द्वन्द्व   घ. द्विगु

32. 'अनंत' में समास ह–

क. तत्पुरूष   ख. द्वन्द्व   ग. द्विगु   घ. नञ

33. 'लबोदर' के संधि–विच्छेद होखेला–

क. लं + बोदर ख. लंब + उदर ग. लंबो + दर घ. कवनो ना

34. 'वत्स' शब्द ह–

क. तत्सम ख. तद्भव ग. देशज घ. विदेशज

35. 'बिरिछ' शब्द ह–

क. तत्सम ख. तद्भव ग. देशज घ. विदेशज

36. 'फोकराइन' शब्द ह–

क. तत्सम ख. तद्भव ग. देशज घ. विदेशज

37. 'अलकतरा' शब्द ह–

क. तत्सम ख. तद्भव ग. देशज घ. विदेशज

38. उपसर्ग कवनो शब्द में लागेला –

क. पहिले ख. बाद में ग. बीच में घ. कहीं ना

39. प्रत्यय कवनो शब्द में लागेला –

क. पहिले ख. बाद में ग. बीच में घ. कहीं ना

40. 'प्रतिकूल' में उपसर्ग ह –

क. प्रति ख. कूल ग. दूनों घ. कवनों ना

41. 'छटपटाहट' में प्रत्यय ह–

क. छटपट ख. आहट ग. दूनो घ. कवनो ना

42. 'कान्हा' के पर्यायवाची शब्द ह–

क. किसन ख. कन्हैया ग. गोपाल घ. तीनू

43. जे कम बोलेला ओकरा कहल जाला–

क. मितव्ययी　　ख. अल्पाहारी　　ग. मितभाषी　　घ. केहू ना

44. कर्त्ता कारक के विभक्ति ह–

क. को　　ख. ने　　ग. से　　घ. पर

45. कर्म कारक के विभक्ति ह–

क. को　　ख. ने　　ग. से　　घ. पर

46. 'छौंड़ा' के लिंग बदलीं –

क. लड़का　　ख. लइकी　　ग. छौंड़ी　　घ. केहू ना

47. 'मजूर' के वचन बदलीं –

क. मजदूर　　ख. मजूरनी　　ग. मजूरवन　　घ. केहू ना

48. 'पेट में चूहा कूदल' मुहावरा के अर्थ ह–

क. चूहा निगलल　　ख. जोर से भूख लागल

ग. चूहा मारल　　घ. केहू ना

49. 'सागर' में कवन संज्ञा ह ?

क. जातिवाचक　　ख. व्यक्तिवाचक

ग. भाववाचक　　घ. द्रववाचक

50. 'मेला में कवन संज्ञा ह ?

क. जातिवाचक　　ख. व्यक्तिवाचक

ग. समूहवाचक　　घ. द्रववाचक

खण्ड – ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. कवनो एगो पर निबंध लिखीं – 1x8=8

होली, पुस्तकालय, क्रिकेट मैच, दहेज–प्रथा, चुनाव

2. गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं– 1x4=4

झींगुर के अजब मनहूस झंकार हवा में भर गइल रहे। नीम के फूल गंध से मातल बेआर ढिमिलाइल फिरत रहे।

3. पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1x4=4

शरद के लहंगा लहराइल

बाज उठल केकर दो पायल

के दो मुसुकाइल

शरद के लहँगा लहराइल।।

4. आपन परीक्षा के चरचा करत बाबूजी लगे एगो पाती लिखीं – 1x5=5

लघु उत्तरीय प्रश्न

5. कवनो पाँच गो के उत्तर दिहीं – 5x2=10

क. डॉ0 ग्रियर्सन के बारे में लिखीं।

ख. रामेश्वर सिंह काश्यप के बारे में लिखीं।

ग. राहुल सांकृत्यायन के बारे में लिखीं।

घ. विद्या निवास मिश्र के विद्वता बताईं।

ङ. महाराणा प्रताप के वीरता लिखीं।

च. जगदीशपुर काहे खातिर प्रसिद्ध बाटे?

छ. कबीरदास के निरगुन भक्ति पर प्रकाश डालीं।

ज. छठ पर्व के लोकप्रियता बताईं।

झ. भोजपुरी के विकास खातिर का करे के चाहीं?

ञ. भोजपुरी के कवनो एगो कवि के परिचय दिहीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6. कवनो तीन गो के उत्तर दिहीं। 3x5=15

क. 'मछरी' कहानी के समीक्षा लिखीं।

ख. 'फिरंगिया' कविता में भारत–दुर्दशा पर का लिखल बा?

ग. 'शरद के लहँगा' कविता के भावार्थ लिखीं।

घ. पूरबी लोकगीतन के महत्त्वांकन करीं।

ङ. 'मानिक मोर हेरइले' ललित निबंध के सार बताईं।

च. 'भोर हो गइल' कविता के प्रकृत्ति वर्णन बताईं।

7. एकर संक्षेपण लिखीं – 1x4=4

ई बता दिहल जरूरी बुझाता कि कवनो भाषा पहिले बोली ही होखेली। जब एके कुछ नियमन से बान्ह दियाला आ ओकरा माध्यम से हमनी विचारन के आपन कलात्मक अभिव्यक्ति करे लागिले तब ऊ क्रमशः भाषा आ साहित्य के परिधि में आबे लागेला। साधारण आ बिना पढ़ल–लिखल लोग अपने आप के जवना भाषा में अभिव्यक्त करेला, ओकरा लोकभाषा कहल जाला। लोकभाषा के मतलबे

होला–लोक के भाषा। ई लोकभाषा में जे साहित्य रचल जाला ओकरा लोक साहित्य कहल जाला। ठीक एकर विपरीत, पढ़ल–लिखल लोगिन के भाषा साहित्यिक भाषा कहल जाला। अइसन भाषा में जवन साहित्य रचल जाला ओकरा साहित्यिक भाषा–साहित्य अथवा शिष्ट साहित्य कहल जाला। एहि लोक साहित्य आ शिष्ट साहित्य में मूल अंतर होखेला।